मनरेगा के तहत तैयार होगी पौधशाला

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

मनरेगा के तहत अब पौधशाला का निर्माण कराया जा सकता है। इन पौधशालाओं की क्षमता पांच हजार पौधे से ज्यादा की होनी चाहिए। ग्रामीण विकास विभाग ने इसके लिए कार्य योजना तैयार की है। इस नर्सरी में दो वर्ष तक कार्य करवाए जा सकते हैं।

इन नर्सरियों से तैयार पौधे मनरेगा के तहत होने वाले पौधरोपण अभियानों में उपयोग किए जा सकते हैं। इसके तहत पौधशाला विकसित करने के अलावा पौधों को रोपने, पटवन, जैविक खाद तैयार करवाने, सुरक्षा, पॉलीबैग में पौधा तैयार करने समेत तमाम कार्य कराए जाएंगे। इस मामले में ग्रामीण विकास विभाग के सचिव अमृत लाल मीणा ने सभी डीएम और डीडीसी को पत्र लिखा है।

ग्रामीण विकास विभाग ने तैयार की कार्ययोजना

- पांच हजार से ज्यादा पौधों वाली नर्सरी आएगी इसमें
- ग्रामीण विकास विभाग के सचिव ने सभी डीएम व डीडीसी को लिखा पत्र

पौधशाला तैयार करने की खास बातें

- पौधशाला कम से कम पांच हजार पौधों वाला होना चाहिए।
- दो वित्तीय वर्ष में पौधशाला निर्माण का कार्य संपन्न होना चाहिए।
- 100 गेज के पॉलीबैग में पहले पौधों को तैयार किया जाए।
- पौधा तैयार होने के बाद इन्हें पौधरोपण के लिए भेजा जाएगा
- चहारदीवारी से पौधशाला का घेराव या बांस से घेराव
- पौलीबैग को रखने के लिए मिट्टी का बेड तैयार किया जाए
- जैविक खाद को तैयार करना पौधों का बीज बोने से पहले पौधशाला के लिए पानी की व्यवस्था सही ढंग से होनी चाहिए
- एक सूचना पट्ट रखा जाए, जिस पर सभी महत्वपूर्ण सूचनाएं हो

हिन्दुस्तान - 02-07-13